दिग्विजयनाथ स्नातकोत्तर महाविद्यालय
गोरखपुर-273001
(नैक प्रत्यायित 'B++' श्रेणी)
सम्बद्ध
दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर

☎ : 0551-2334549
: 09792987700
e-mail : dnpggkp@gmail.com
website : www.dnpgcollege.edu.in

पत्रांक : /2021–22 दिनांक 02.10.2021

प्रकाशनार्थ

आज महाविद्यालय में राष्ट्रपिता महात्मा गॉधी तथा पूर्व प्रधानमंत्री स्व. लाल बहादुर शास्त्री के जयंती के अवसर पर ध्वजारोहण और समस्त शिक्षकों, कर्मचारियों द्वारा पुष्पांजलि चित्रों पर पुष्पांजलि करने के पश्चात महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ. वीणा गोपाल मिश्रा ने कहा कि महात्मा गॉधी एक आध्यात्मिक संत थे जिन्होंने जीवनपर्यन्त मानवता की सेवा करते हुए यह कहा कि समाज सेवा से बड़ा कोई धर्म नही होता सही अर्थों में गॉधी भारतीयता की आध्यात्मिक चेतना के कुंज थे। जिन्हें कभी धर्म, सम्प्रदाय तथा देश काल की सीमाओं हम नही बांध सकते। इन्होंने अपने जीवन में उन्हीं आदर्शों को अपनाने का प्रयास किया जो वेद, उपनिषद, बौद्ध, जैन धर्मों के साथ विभिन्न सम्प्रदायों के थे। यह एक सच्चे प्रयोगधर्मी थे जिन्होंने जीवन भर प्रयोग किया सत्य ही उनके जीवन का चरित्र था जिसके बल पर वह मोहनदास से महात्मा गॉधी बनें उन्होंने सत्य को ही ईश्वर कहा और यह सत्य ही आज गॉधी को जिन्दा रखने का सबसे बड़ा माध्यम है। गॉधी भारतीयों की अर्न्तआत्मा और अन्तश्चेतना में विद्यमान है इन्होंने सत्य, अहिंसा, और सत्याग्रह के साथ–साथ नैतिकता को भी अपना जीवन दर्शन बनाया ऐसे महापुरूष के आदर्श और मूल्य अमर होते हैं और युगों तक प्रासंगिक बने रहते हैं।

लाल बहादुर शास्त्री को इन्होंने सादगी की प्रतिमूर्ति बताया जो सच्चे राष्ट्रभक्त तथा सामाजिक समरसता और समानता के पुजारी थे इन्होंने जय जवान, जय किसान का नारा देकर राष्ट्र की सुरक्षा और समृद्धि को प्रोत्साहित किया।

महाविद्यालय के मुख्य नियंता डॉ. धीरेन्द्र सिंह ने कहा कि दृढ़ इच्छा शक्ति ही महात्मागॉधी की पूंजी थी और वे एक वास्तविक तपस्वी थे उनके विचारों को आत्मसात करना ही उनके प्रति सच्ची श्रद्धांजलि होगी वे व्यक्ति नही विचारधारा थे। **कार्यक्रम में महाविद्यालय के शिक्षक डॉ. विवेक शाही, डॉ. अनीता कुमारी, डॉ. विवेकानन्द एवं डॉ. अवधेश शुक्ला** ने भी इन महापुरूषों के व्यक्तित्व और कृतित्व पर प्रकाश डाला।

संचालन और आभार ज्ञापन डॉ. अर्चना सिंह ने किया तथा कार्यक्रम में महाविद्यालय के समस्त शिक्षक, कर्मचारी एवं छात्र–छात्राएं उपस्थित थे।

डॉ.(वीणा गोपाल मिश्रा)
प्राचार्य